जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 100 प्रभात अजमेर, बुधवार 9 नवम्बर, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

जैसलमेर आया विदेशी गिद्धों का कुनबा

सर्दी का मौसम शुरु होने के साथ ही प्रवासी मेहमान पक्षियों का आगमन शुरु हो गया है। जैसलमेर में हर बार की तरह इस बार भी प्रवासी पक्षियों के झुंड आए हैं। यूरेशियन ग्रिफन वल्चर व हिमालय ग्रिफन गिद्धों ने भी डेरा जमाना शुरु कर दिया है। राजस्थान में यूरेशियन ग्रिफन वल्चर कज़ाकिस्तान, अफगानिस्तान और बलूचिस्तान से आते हैं। सर्दी के मौसम में जब इन देशों में कड़ाके की ठंड पड़ती है तब इन क्षेत्रों के पक्षी तुलनात्मक रुप से गर्म प्रदेशों का रुख करते हैं। जैसलमेर के धोलिया और भादरिया में इन पक्षियों के समूह देखे जा रहे हैं। दरअसल इन इलाकों में मवेशी भारी तादाद में हैं तथा इन गिद्धों का मुख्य भोजन चूंकि मृत जानवर हैं इसलिए यहां इन्हें भरपूर भोजन मिलता है। ये गिद्ध मार्च, अप्रैल तक जैसलमेर के इन इलाकों में ही विचरण करेंगे। पर्यावरण प्रेमी राधेश्याम पेमानी ने बताया कि, जैसलमेर में गिद्धों का आना पर्यावरण के लिए बहुत ही सुखद है। ये संकटग्रस्त गिद्ध पर्यावरण को शुद्ध रखने में मददगार होते हैं। ये मरे जानवर खाते हैं जिससे प्रदूषण नहीं फैलता। उन्होंने बताया कि, प्रवासी गिद्धों के साथ- साथ स्थानीय रैंड हैंडेड, व्हाइट रम्पड, लाँग बिल्ड व ईजिप्शियन वल्चर भी नजर आ रहे हैं। इसके अलावा हिमालयन ग्रिफन और यूरेशियन ब्लैक वल्चर भी देखे जा रहे हैं। हिमालय ग्रिफन गिद्ध, हिमालय के उस पार, मध्य एशिया, यूरोप, तिब्बत आदि ठण्डे इलाकों से आते हैं, क्योंकि तेज सर्दी में वहाँ भोजन नहीं मिलता है। जैसलमेर जिले की सर्दी इन पक्षियों के लिए अनुकूल है। जिले में पशुपालन बहुतायत में होता है इसलिए इन्हें भोजन की कमी नहीं होती है। राधेश्याम पेमानी ने बताया कि, इन दिनों इस इलाके में कुत्तों की संख्या बढ़ने से मृत पशु बचते ही नहीं हैं। उन्होंने बताया कि लंपी नामक बीमारी के कारण पशुओं को मौत के बाद ज्यादातर दफनाया गया जिससे मृत पशु नहीं मिल पा रहे हैं। इसलिए इस बार इन संकटग्रस्त गिद्धों को भोजन की समस्या आड़े आ सकती है।

चीन के राष्ट्रपति शी यूक्रेन में न्युक्लियर बम के उपयोग की धमकी के खिलाफ खुलकर सामने आये

जैसा कि विदित ही है, रूस कई बार सार्वजनिक धमकी दे चुका है कि, यूक्रेन के खिलाफ न्युक्लियर बम का सीमित उपयोग कर सकता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। यूक्रेन को काबू में करने के लिए रूस की परमाणु युद्ध की धमकी पर चीन ने रूस को यह स्पष्ट व संक्षिप्त संदेश भेजा है कि वह परमाणु विकल्प का इस्तेमाल करने से परहेज करे। उम्मीद है इससे विश्व की चिंता कुछ कम हुई होगी। चीन के राष्ट्रपति शी ने कहा है कि ''परमाणु हथियारों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए और परमाणु युद्ध नही लड़े जाने चाहिए।''

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट कहती है कि जर्मनी के चांसलर ओलाफ शुल्ज़ के साथ हुई अपनी मुलाकात में राष्ट्रपति शी ने यूक्रेन में चल रहे वर्तमान युद्ध में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के खिलाफ अपनी स्थिति बिल्कुल स्पष्ट कर दी थी। उनकी टिप्पणियों की भाषा उस संयुक्त शपथ के अनुरूप थी कि परमाणु हथियारों का उपयोग सिर्फ रक्षात्मक उद्देश्य के लिए ही किया जाएगा। यह संयुक्त शपथ एक समझौते में थी, जिसे इस वर्ष के जनवरी माह में चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था। ये पांच ही परमाणु शस्त्रों से सुसज्जित देश हैं जिन्हें वर्ष 1968 में हुई नॉन-प्रोलिफरेशन ऑफ न्यूक्लियर वैपन्स संधि से मान्यता प्राप्त है।

- **यह सख्त टिप्पणी चीन के राष्ट्रपति ने जर्मनी के चांसलर ओलाफ शुल्ज़ से मुलाकात के दौरान की।**
- **रूस इस टिप्पणी के बाद, कुछ रक्षात्मक मुद्रा में आया।**
- **रूस की तरफ से कहा गया कि, राष्ट्रपति शी की सख्त टिप्पणी का रूस व चीन के संबंधों पर कोई गलत असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि राष्ट्रपति शी द्वारा काम में ली गई भाषा बिल्कुल वो ही है, जो हथियार-अप्रसार नीति के संबंध में चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन व अमेरिका की नीतिगत व्याख्या में है।**
- **रूस की ओर से यह समझाया गया कि, रूस का, न्यूक्लियर बम के उपयोग का कभी भी कोई इरादा नहीं था, रूस ने न्यूक्लियर विकल्प के उपयोग की धमकी केवल इसलिये दी थी कि, नाटो संगठन की सेनाएं रूस में प्रवेश करने की हिम्मत न करें।**

शी का बयान पुतिन के बयान के एक महीने बाद आया है। पुतिन ने कहा था कि रूस अपने लोगों की सुरक्षा के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करेगा और चुनौतियों से निबटने के लिए उसके पास बड़ी संख्या में परमाणु हथियार हैं।

पुतिन की टिप्पणियों ने पश्चिमी देशों को इसे लेकर चिंता में डाल दिया था कि मॉस्को अपने यूक्रेन आक्रमण में परमाणु हथियारों का प्रयोग कर सकता है, लेकिन पुतिन ने पिछले महीने कहा कि राजनीतिक अथवा सैन्य रूप से परमाणु हथियारों की जरूरत नहीं है।

चीन-रूस संबंधों के विशेषज्ञ कहते हैं कि दोनों देश एक-दूसरे के परमाणु सिद्धान्त को समझते हैं और शी का रूख उनके संबंधों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

सिन्हुआ यूनिवर्सिटी के सैन्टर फॉर इन्टरनैशनल सिक्योरिटी एण्ड स्ट्रैटजी के एक वरिष्ठ अध्येता झाउ बो के अनुसार शुल्ज़ के समक्ष व्यक्त किया गया शी का बयान परमाणु हथियारों को लेकर चीन की दीर्घकालीन स्थिति को परिलक्षित करता है। यह कुछ ऐसा है जिससे मॉस्को भली भांति परिचित है और इसलिए वह संबंधों को खराब नही करेगा।

झाउ, जो कि पीपल्स लिबरेशन आर्मी के सीनीयर कर्नल भी रह चुके हैं, ने कहा कि ''चीन ने रूस अथवा यूक्रेन में से किसी का भी पक्ष नहीं लेने का विकल्प है, लेकिन जब बात परमाणु हथियारों की आती है तो चीजें बिल्कुल अलग हो जाती हैं क्योंकि इसमें मानवता का बने रहना शामिल है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका और नाटो को यूक्रेन में अपने सैनिकों को भेजने से रोकने में परमाणु हथियारों का उपयोग करने की रूस की धमकी को प्रभावी माना जा रहा है।

झाउ ने कहा कि ''रूस की सरकार ने प्रत्यक्ष व स्पष्ट रूप से यह कभी नहीं कहा कि वह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगी। उसने कई बार सिर्फ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश, गुजरात में भारतीय ट्राइबल पार्टी से गठबंधन करने से क्यों कतरा रहे हैं

हालांकि, गुजरात में 2002 के बाद से नीतीश की पार्टी की स्थिति लगातार गिरती जा रही है, तथा 2017 में तो एक भी सीट नहीं जीत पायी थी

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। आगामी गुजरात विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार की जे.डी.यू. की तुलना में छोटूभाई वसावा की भारतीय ट्राइबल पार्टी (बी.टी.पी.) का प्रभाव कहीं ज्यादा है, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री को बी.टी.पी. के साथ गठबंधन करने के मामले में कुछ आपत्तियाँ है।

वसावा की इस घोषणा कि जे.डी.यू. के साथ चुनाव-पूर्व गठबंधन तय हो चुका है तथा कुमार बी.टी.पी का प्रचार करेंगे, के चंद दिन बाद ही, जे.डी.यू. के मुख्य प्रवक्ता के.सी. त्यागी ने आज दावे से कहा कि ''अभी इस मामले में अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।''

हाल ही में, वसावा के नीतीश कुमार तथा जे.डी.यू. अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह से भेंट की थी। लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री जिस कारण से बी.टी.पी. के साथ चुनाव-पूर्व गठबंधन करना नहीं चाहते, वह कारण यह है कि वे नहीं चाहते कि उन्हे विपक्षी एकता के हितों के विरूद्ध काम करने वाले के रुप में देखा जाए। चूँकि कांग्रेस तथा अरविन्द केजरीवाल की आप पार्टी भी गुजरात में चुनाव लड़ रही हैं, इसलिये बी.टी.पी. के साथ जे.डी.यू. का गठजोड़ विपक्ष या धर्मनिरपेक्ष दलों के बिखराव का संकेत दे सकता है।

- **गठबंधन से नीतीश की पार्टी को कुछ लाभ मिलता गुजरात में, वोट प्रतिशत बढ़ने से, पर, नीतीश की राष्ट्रीय भूमिका निभाने की महत्वाकांक्षा को जरूर झटका लगता।**
- **कांग्रेस व आप, दोनों गुजरात में गंभीरता से चुनाव लड़ रही हैं, तथा नीतीश द्वारा ट्राइबल पार्टी से गठबंधन करने से विपक्ष की एकता को झटका लगता। नीतीश की महत्वाकांक्षा का आधार ही विपक्ष की एकता है, अतः वे ट्राइबल पार्टी से गठबंधन का प्रस्ताव कैसे कर सकते हैं।**

जे.डी.यू. सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने यह विचार जरूर व्यक्त किया था कि बी.टी.पी. जे.डी.यू के साथ अपने विलय के बारे में विचार कर सकती है। इस परिदृश्य में, जे.डी.यू. नेता चुनाव-पूर्व के गठबंधन के लिये कांग्रेस से सम्पर्क में आने की आशा सँजो सकते हैं।

प्रसंगवश बता दें कि वसावा का जे.डी.यू. के साथ 2007 से 2017 तक, 10 वर्षों की छोटी सी अवधि का जुड़ाव रहा है। जहाँ स्वर्गीय समाजवादी नेता मामा बालेश्वर दयाल की विरासत राजस्थान तथा गुजरात के कुछ क्षेत्रों में आज तक कायम है, लेकिन फिर भी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत-फ्रांस के वायुसेना अध्यक्षों ने फाइटर जेट उड़ाए

जोधपुर, 8 नवम्बर (कासं)। फ्रांस के वायुसेना प्रमुख स्टीफन माइल ने भारत का सुखोई फाइटर जेट उड़ाया, वहीं भारतीय वायुसेना के चीफ वी.आर चौधरी ने राफेल में उड़ान भरी। इसके साथ ही युद्धाभ्यास के दौरान स्वदेशी फाइटर जेट तेजस ने भी अपना कौशल दिखाया।

- **जोधपुर एयरबेस पर हो रहे भारत और फ्रांस के संयुक्त युद्धाभ्यास में फ्रांस के वायु सेना प्रमुख स्टीफन माइल ने सुखोई जेट और भारत के वायु सेना प्रमुख वी.आर. चौधरी ने राफेल उड़ाया।**

जोधपुर एयरबेस पर इन दिनों दुनियाभर के देशों की निगाहें टिकी हुई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो नेता खुद को पार्टी से बड़ा समझे, वह पार्टी छोड़कर चला जाए, वर्ना पार्टी उसे गिरा देगी'

राजस्थान की गुटबाजी पर प्रियंका गांधी के सलाहकार तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र व राजस्थान में ''भारत जोड़ो'' यात्रा के प्रभारी, विभाकर शास्त्री ने सभी नेताओं को चेतावनी दी

जयपुर, 8 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस में चल रही गुटबाजी पर भूतपूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के पोते एवं राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के प्रभारी विभाकर शास्त्री ने कहा है कि '' कोई नेता पार्टी से बड़ा नहीं है और जो व्यक्ति अपने आप को पार्टी से बड़ा समझता है तो वह खुद ही पार्टी छोड़ दे। अन्यथा पार्टी उसको गिरा देगी। यह केवल समय की बात है। पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता है।'' विभाकर शास्त्री कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के सलाहकार भी हैं।

भारत जोड़ो यात्रा के संबंध में तैयारियां देखने आए विभाकर शास्त्री पहले तो राजस्थान को लेकर किए जा रहे सवालों से बचते रहे, लेकिन जब उनसे राजस्थान की गुटबाजी को लेकर बार-बार सवाल किया गया, तो उन्होंने सभी नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि पार्टी से बड़ा कोई नहीं है। कोई नेता खुद को पार्टी से बड़ा समझता है, तो उसे पार्टी छोड़कर चले जाना चाहिए। शास्त्री ने ऐसा कहकर गुटबाजी में लगे नेताओं को एक तरह से आलाकमान की ओर से संकेत देने का भी प्रयास किया है।

- **विभाकर शास्त्री ने यह भी कहा कि, पार्टी से बड़ा कोई नेता नहीं होता। जो व्यक्ति अपने आप को पार्टी से बड़ा समझता है, वह पार्टी छोड़ दे।**

दूसरी ओर राजस्थान सरकार में पावर सैंट्रलाइजेशन, मंत्री और विधायकों की नहीं चलने को लेकर मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास व राजेंद्र गुढ़ा की ओर से दिए जा रहे सार्वजनिक बयानों को लेकर गोविंद सिंह डोटासरा ने चेतावनी देते हुए कहा कि ''ऐसे बयान ना दें, जिससे पार्टी का नुकसान होता हो। यह मंत्री, विधायकों की नैतिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाल श्रम के आरोपी को सज़ा

जयपुर, 8 नवंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत द्वितीय ने बाल श्रम कराने वाले अभियुक्त मोहम्मद सय्यूम को 14 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 72 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि, तीस जुलाई, 2015 को मानव तस्करी निरोधक यूनिट ने कोतवाली थाना पुलिस को बाल श्रम की सूचना दी थी। यूनिट की सूचना पर पुलिस ने नींदड रावजी का रास्ता स्थित मकान में दबिश दी थी। यहां पुलिस को दस बच्चे चूडियां बनाते हुए मिले। पूछताछ में बच्चों ने

- **बच्चों से श्रम कराने के आरोपी मोहम्मद सय्यूम को, पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 14 साल की सज़ा सुनाई और 72,000 रू. जुर्माना भी लगाया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने मणि शंकर की भांति कांग्रेस की स्थिति अटपटी की

जैसा कि विदित है, मणि शंकर अय्यर ने मोदी की, चाय पिलाने का काम करने की अति साधारण स्थिति पर कटाक्ष कर, कांग्रेस को रक्षात्मक मुद्रा में फंसा दिया था

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरा-

नई दिल्ली, 8 नवम्बर। क्या कांग्रेस के लिये मणि शंकर अय्यर के ''चायवाला'' कटाक्ष वाली स्थिति फिर आ गई है। इस बार यह घटना कर्नाटक में उस समय घटी, जब राज्य के एक वरिष्ठ कांग्रेस ने यह प्रश्न कर दिया कि हमने एक देश के रूप में, फारसी मूल के शब्द ''हिन्दू'' शब्द को इतना ज्यादा महत्व आखिर क्यों दे रखा है। भाजपा ने कांग्रेस नेता की यह लूज बॉल झटक ली है तथा उस पर छक्का लगा रही है। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि उसने संपूर्ण हिन्दू समुदाय का अपमान किया है।

- **कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष, सतीश जर्कीहोली ने भी अप्रत्यक्ष रूप से ''हिन्दू'' की परिभाषा की, जो काफी असम्मानजनक मानी जा सकती है।**
- **गुजरात व हिमाचल के चुनाव के पहले, इस टिप्पणी ने कांग्रेस को ''हिन्दू विरोधी'' होने का तमगा पहना दिया है, और यह हिन्दू व गैर-हिन्दू ध्रुवीकरण, राजनीतिक दृष्टि से भाजपा को बहुत माफिक आ रहा है।**
- **यह समझते हुए कर्नाटक में कांग्रेस के प्रभारी महासचिव सुरजेवाला ने, जर्कीहोली की टिप्पणी से पार्टी की दूरी बनाई और टिप्पणी को दुर्भाग्यशाली बताते हुए, टिप्पणी को रिजैक्ट किया।**
- **कार्यकारी अध्यक्ष जर्कीहोली अडिग रहे और बोले, उन्होंने कोई गलत बात नहीं की, तथा माफी मांगने या टिप्पणी वापस लेने से साफ इंकार किया।**

शीघ्र ही होने जा रहे गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों तथा इनके कुछ समय बाद होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पहले, कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सतीश जर्कीहोली की यह विवादास्पद टिप्पणी कांग्रेस की संभावनाओं को बहुत ज्यादा नुकसान पहुँचा सकती है। मोदी को ''चायवाला'' कहकर, उनके बचपन की दीनता-हीनता का उपहास करने वाली मणि शंकर अय्यर की टिप्पणी की तरह ही, कांग्रेस नेता सतीश जर्कीहोली की इस विवादास्पद टिप्पणी ने कांग्रेस के नुकसान की एक जबरदस्त गुंजाइश पैदा कर दी है।

कांग्रेस के इस नुकसान को सुनिश्चित करने के लिये, भाजपा, उसके वरिष्ठ नेता एवं प्रवक्ता कांग्रेस को हिन्दू-विरोधी बताते हुये, उस पर निशाना साध रहे हैं तथा उस पर बहुसंख्यक समाज के खिलाफ नफरत फैलाने का आरोप लगाया है।

यह निश्चित रूप से एक ऐसा विवाद है जिसके बिना ऐसे नाज़ुक मौके पर, जब ऐसे विधानसभा चुनाव होने को हैं, जो 2024 के लोकसभा चुनावों के लिये वातावरण-निर्माण करेंगे, कांग्रेस आराम से अपना काम चला सकती थी। इस टिप्पणी के कुछ मिनटों के अन्दर ही, कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व जर्कीहोली के खिलाफ हो गया तथा उनसे उस टिप्पणी को वापस लेने के लिये कह दिया, जो उन्होंने एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुये कही थी। कर्नाटक कांग्रेस के नेता ने कहा था कि हिन्दू नाम दिया ही फारसियों ने है तथा इसका अर्थ अच्छा नहीं होता। विदेशियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़ल्ट आने के 4 माह बाद भी नहीं मिली अंकतालिका

बीकानेर, 8 नवम्बर (कासं)। राज्य के शिक्षा विभाग में सभी जिलों में संचालित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से जारी कक्षा पांचवीं व आठवीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम आने के चार माह बाद भी विद्यार्थियों को अंकतालिका नहीं मिली।

परीक्षा परिणाम 8 जून को घोषित हुआ था। विद्यार्थियों को अभी तक मूल अंकतालिका नहीं मिली है। इस वजह से दूसरे स्कूल में प्रवेश लेने से लेकर विभाग की ओर से मिलने वाली छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने व आधार अपडेशन का कार्य करवाने में अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि विद्यार्थियों के पास वर्तमान में केवल ऑनलाइन अंकतालिका की प्रतिलिपि

- **दूसरे स्कूल में प्रवेश लेने, छात्रवृति आवेदन आदि काम अटके हुए हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)